

* पवनें (wind) = वायु का क्षैतिज प्रवाह पवन कहलाता है।

→ पवनें हमेशा उच्च वायुदाब से निम्न वायुदाब की ओर चलती हैं।



* पवनें मुख्यतः तीन प्रकार की होती हैं।

↓
प्रचलित पवन
Permanent wind

ऐसी पवनें जो वर्ष भर एक ही मार्ग पर चलती हैं।

- व्यापारिक पवन
- पड़ुआ पवन
- ध्रुवीय पवन

↓
सामयिक पवनें
Seasonal wind

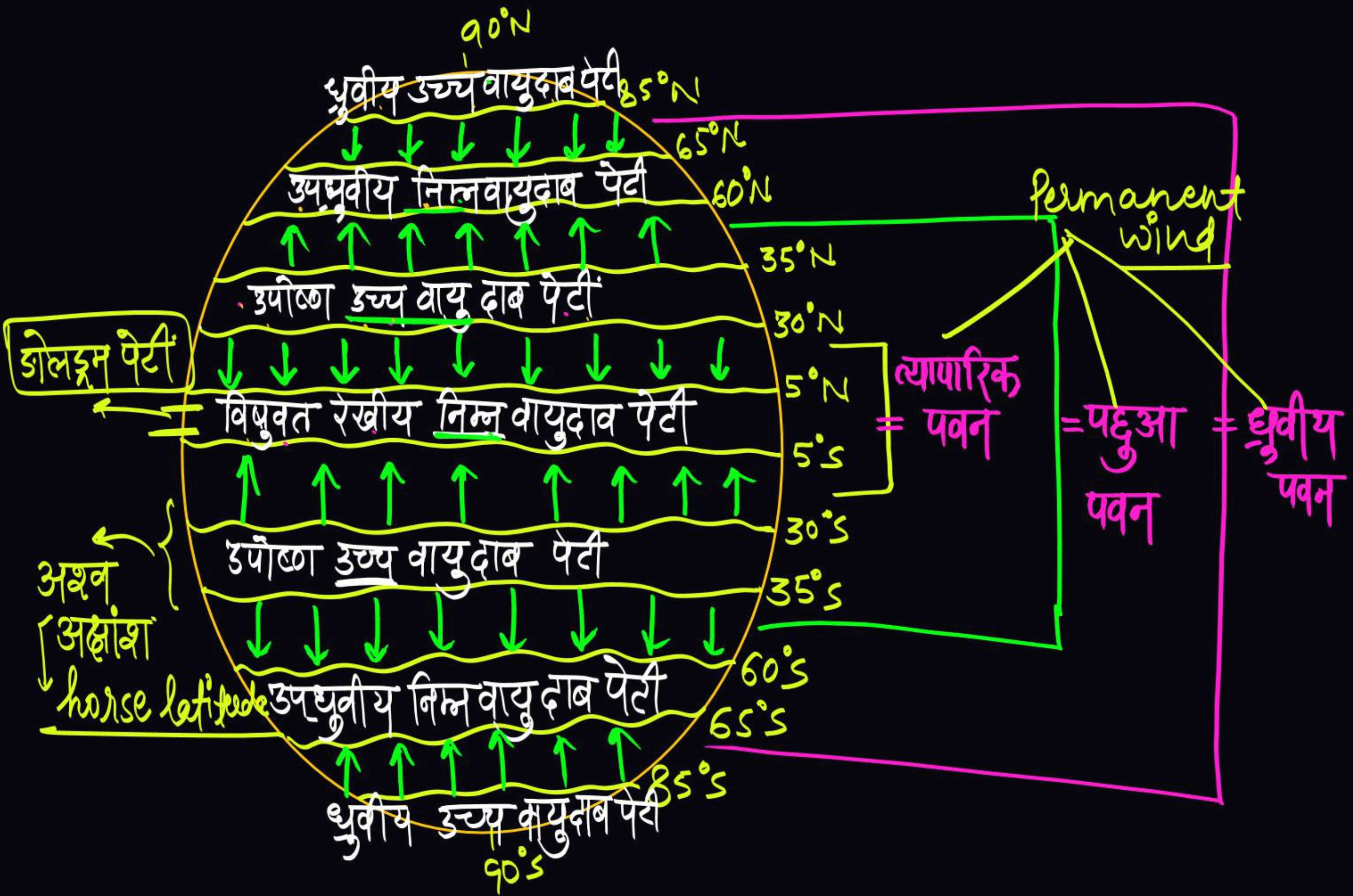
ऐसी पवनें जो ऋतु के अनुसार अपनी दिशा बदल लेती हैं।

- स्थल समीर
- समुद्री समीर
- पर्वत समीर
- घाटी समीर
- मानसून

↓
स्थानीय पवन
Local wind

→ स्थानीय कारकों से उत्पन्न

② गर्म एवं शुष्क
ठंडी



* व्यापारिक पवन :- Trade wind → पुरवा पवन (Easterlies).

* पड़ुआ पवन :- Westerlies → ये पवनें पश्चिम दिशा की ओर से चलती हैं।
→ दक्षिणी गोलार्द्ध में ये पवनें अधिक प्रभावी होती हैं।

→ 40° अक्षांश = गरजता चालीसा

→ 50° अक्षांश = पुचैड पचासा

→ 60° अक्षांश = चीखता साठ

* ध्रुवीय पवनें :- Polar wind → ये ध्रुवों से चलती हैं इसलिए अत्यंत ठण्डी पवनें होती हैं।

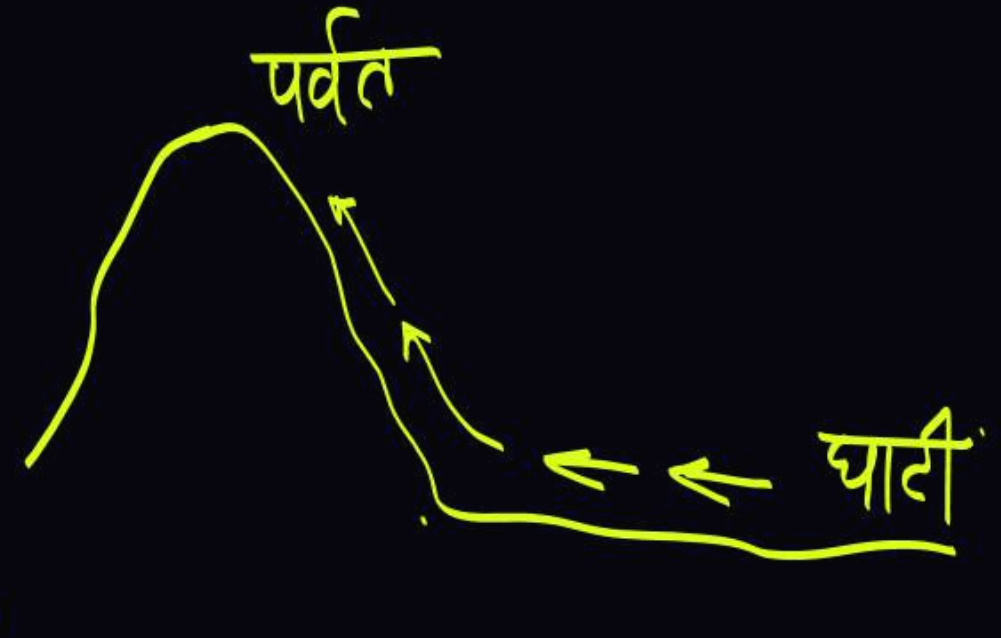
* सामयिक पवनें -

* स्थल समीर: Land Breeze → स्थल से समुद्र की ओर

* समुद्री समीर: Sea Breeze → समुद्र से स्थल की ओर

* घाटी समीर (Valley Breeze) → घाटी से पर्वत की ओर

* पर्वत समीर: Mountain Breeze → पर्वत से घाटी की ओर



* मानसूनी पवन: Monsoon Wind → वे पवनें जिनमें नमी होती है एवं वे वर्षा करती हैं

* स्थानीय पवनें :- Local wind → (2) प्रकार की होती हैं →

↳ गर्म एवं शुष्क पवनें -
warm and dry wind

↳ चिनूक (chinook)

→ ये उत्तरी अमेरिका में चलती हैं।

→ ये प्रेयरी बास के मैदानों में चलने वाली पवन हैं।
→ इस पवन के चलने से बर्फ पिघल जाती है इसलिए
इस पवन को हिमभंसी कहा जाता है।

* सिराँको पवन

→ सहारा मरुस्थल से प्रवाहित होकर इटली में रुकत वर्षा कराती हैं।

→ सहारा मरुस्थल → भूमध्य सागर → इटली

* लू (Loo) → उत्तर भारत में चलने वाली गर्म एवं शुष्क पवन है।
↳ धूल भरी ओछियां चलती हैं।

* हरमटन : गिनी की खाड़ी के तटों पर चलने वाली पवन है।
↳ इस पवन को डैम्टर पवन भी कहा जाता है।